भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2757

उत्तर देने की तारीख-09/03/2026

एनआईआरएफ रैंकिंग में ग्रामीण संस्थानों का सीमित प्रतिनिधित्व

† 2757. श्रीमती साजदा अहमदः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि हाल ही में जारी राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की रैंकिंग में ग्रामीण संस्थानों का प्रतिनिधित्व सीमित है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे कम प्रतिनिधित्व के क्या कारण हैं;

(ग) क्या एनआईआरएफ की प्रक्रिया की तर्कसंगतता और न्यायोचित विश्लेषण के संबंध में कोई चिंता व्यक्त की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि इस प्रक्रिया में निजी भागीदारी ने इसकी विश्वसनीयता को प्रभावित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ.) सरकार द्वारा एनआईआरएफ की रैंकिंग में विशेषकर ग्रामीण संस्थानों के लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ड़): उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में इन एचईआई की वार्षिक रैंकिंग (जिसे इंडिया रैंकिंग कहा जाता है) के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) शुरू किया गया था। इंडिया रैंकिंग की कार्यप्रणाली पांच व्यापक मापदंडों, अर्थात "शिक्षण, अधिगम और संसाधन," "अनुसंधान और व्यावसायिक प्रथाएं," "स्नातक परिणाम," "आउटरीच और समावेशिता," और "सहकर्मी धारणा" पर आधारित है।

रैंक और रैंक-बैंड संस्थानों की सूची प्रत्येक वर्ष घोषित की जाती है और एनआईआरएफ वेबसाइट पर प्रकाशित की जाती है, जो सभी हितधारकों के साथ-साथ आम जनता के लिए भी उपलब्ध है। इंडिया रैंकिंग वर्ष 2025 में, एनआईआरएफ ने 17 श्रेणियों/विषयों में संस्थानों का मूल्यांकन किया है। विशेष रूप से, सभी श्रेणियों/विषयों सहित शीर्ष क्रम के संस्थानों में से लगभग 35 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं, जो राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा परिदृश्य में ऐसे संस्थानों की बढ़ती प्रमुखता को उजागर करते हैं।

रैंकिंग के लिए डेटा मुख्य रूप से दो चैनलों; अर्थात भाग लेने वाले संस्थानों द्वारा सीधे प्रदान की गई संस्थागत प्रस्तुतियाँ और स्कोपस, वेब ऑफ साइंस, डेरवेंट इनोवेशन और जर्नल उद्धरण रिपोर्ट सहित सत्यापित तृतीय-पक्ष डेटाबेस के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।

प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, भाग लेने वाले संस्थानों को अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर अपना जमा किया गया डेटा अपलोड करना अपेक्षित है। यह अभ्यास पारदर्शिता को सक्षम बनाता है और सार्वजनिक, सहकर्मी संस्थानों तथा अन्य संस्थाओं सहित हितधारकों को प्रस्तुतियों की सटीकता की समीक्षा करने और प्रतिक्रिया प्रदान करने की अनुमति देता है। रैंक किए गए संस्थानों का समेकित डेटा आधिकारिक एनआईआरएफ वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

*****